बी.ए. संस्कृत द्वितीय वर्ष 2020–21

सामान्य निर्देश –

1. प्रत्येक परीक्षा में दो–दो प्रश्नपत्र होंगे।
2. प्रत्येक प्रश्नपत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 36 तथा पूर्णांक 100 होंगे और समय 3 घण्टे का होगा।
3. परीक्षा का माध्यम हिन्दी / अंग्रेजी होगा , परन्तु प्रश्नपत्र केवल हिन्दी में बनाया जायेगा। परीक्षार्थी को छूट होगी कि वह हिन्दी,संस्कृत अथवा अंग्रेजी में किसी एक भाषा में उत्तर दे सके । यदि परीक्षक ने किसी प्रश्न विशेष के लिए भाषा का निर्देश कर दिया है तो उस प्रश्न का उत्तर उसी भाषा में देना अनिवार्य होगा।
4. संस्कृत केवल देवनागरी लिपि में ही लिखा जाना अपेक्षित है।
5. निर्धारित ग्रन्थ में से अनुवाद, व्याख्या, सरलार्थ एवं समालोचनात्मक प्रश्न पूछे जावेंगे।
6. प्रत्येक प्रश्नपत्र में 10 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा में उत्तर के लिये निर्धारित हैं।
7. प्रत्येक प्रश्नपत्र में दो भाग होंगे, जिसमें प्रथम 'अ' भाग लघूत्तरात्मक प्रश्नों का होगा। 'ब' भाग में निबन्धात्मक प्रश्न होंगे। 'अ' भाग में कुल 15 प्रश्न होंगे, जिनका पूर्णांक 30 होगा।

परीक्षा योजना–	न्यूनतम उत्तीर्णांक–72	पूर्णांक–200
प्रथम प्रश्न–पत्र		अंक–100
द्वितीय प्रश्न–पत्र		अंक–100

प्रथम प्रश्नपत्र

वैदिक साहित्य, गद्य साहित्य एवं व्याकरण

समय : 3 घण्टे — अंक–100

प्रथम प्रश्न में निर्धारित ग्रन्थ में से लघूत्तरात्मक निबन्धात्मक, अनुवाद ,व्याख्या व समालोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। 15 प्रश्न लघूत्तरात्मक होंगे जिनमें से प्रथम 5 प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा के माध्यम से देना होगा, प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। जिस प्रश्नपत्र में संस्कृत अनुवाद / निबन्ध पूछे गए हैं वहाँ संस्कृत में उत्तर अपेक्षित नहीं है।

पाठ्यक्रम

1. वैदिक साहित्य

(क) ऋग्वेद के निम्नलिखित सूक्तों का अध्ययन– 20 अंक

अग्निसूक्त (1/1) वरुणसूक्त (1/25) इन्द्रसूक्त (2/12) क्षेत्रपतिसूक्त (4/57) विश्वेदेवासूक्त (8/58) प्रजापतिसूक्त (10/121) संज्ञानसूक्त (10/191)

इन सूक्तों के मंत्रों का अनुवाद व्याख्यात्मक टिप्पणी एवं उक्त देवताओं का चरित्र स्वरूप से सम्बन्धित प्रश्न निर्धारित हैं।

(ख) ईशावास्योपनिषद् — 10 अंक

2. गद्य साहित्य – शुकनासोपदेश (कादम्बरी–बाणभट्ट से) — 25 अंक

3. वैदिक साहित्य का इतिहास — 15 अंक

संहिताएं – स्वरूप, विषयवस्तु, महत्व, रचनाकाल

4. व्याकरण – लघुसिद्धान्तकौमुदी–नामिक (अजन्त एवं हलन्त) — 30 अंक

(क) अजन्त प्रकरण – — 15 अंक

निम्नलिखित शब्दों की रूपसिद्धि एवं इनमें प्रयुक्त होने वाले सूत्रों का अर्थज्ञान – राम, सर्व, हरि, गुरु, रमा, नदी, ज्ञान

(ख) हलन्त प्रकरण – — 15 अंक

निम्नलिखित शब्दों की रूपसिद्धि एवं इनमें प्रयुक्त होने वाले सूत्रों का अर्थज्ञान – राजन्, भवत्, विद्वस्, युष्मद्, अस्मद् और चतुर्

अंक – विभाजन

क्र.सं.	नाम पुस्तक	लघूत्तरात्मक प्रश्न	अंक	निबन्धात्मक प्रश्न संख्या	अंक	अंको का योग
01	ऋग्वेद	लघूत्तरात्मक 02	04	2 मंत्रों की व्याख्या 5+5 1 प्रश्न 6	10+6	04+16=20
02	ईशावास्योपनिषद्	लघूत्तरात्मक 02	04	1 मंत्र की व्याख्या 6 अंक	06	04+06=10
03	शुकनासोपदेश	लघूत्तरात्मक 03	06	2 व्याख्या (1 संस्कृत में अनिवार्य) 6+6 1 प्रश्न 7	19	06+19=25
04	वैदिक साहित्य का इतिहास	लघूत्तरात्मक 02	04	एक निबंधात्मक प्रश्न 11 अंक	11	04+11=15
05	लघुसिद्धान्त कौमुदी क–हलन्त	लघूत्तरात्मक 03	06	2 सूत्रों की व्याख्या 2.5+2.5=5 2 पदों की सिद्धि 2+2 =4	09	06+09=15
	ख–अजन्त	लघूत्तरात्मक 03	06	2 सूत्रों की व्याख्या 2.5+2.5=5 02 पद की सिद्धि 2+2 =4	09	06+09=15
	कुल योग	15	30	10	70	100

प्रश्न– पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. प्रत्येक पुस्तक से लघूत्तरात्मक व निबन्धात्मक, व्याख्यात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। लघूत्तरात्मक प्रश्न के 02 अंक निर्धारित हैं।

निबन्धात्मक / व्याख्यात्मक प्रश्न

1. वैदिक साहित्य

ऋग्वेद

भाग अ में 2–2 अंक के दो लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। — 04 अंक

Helpstudentpoint.com

4 मन्त्र पूछकर उनमें से किसी 2 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी। 10 अंक
देवताओं के स्वरूप सम्बन्धी प्रश्न में से किसी एक का उत्तर अपेक्षित है। 06 अंक

ईशावास्योपनिषद्

भाग अ में 2–2 अंक के दो लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । 04 अंक
भाग ब

2 मंत्रों में से किसी एक मंत्र की सप्रसंग व्याख्या 06 अंक

2. शुकनासोपदेश
भाग अ में 2–2 अंक के तीन लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । 06 अंक
भाग ब

4 गद्यांश पूछकर उनमें से किन्हीं 2 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी। 6+6 =12 अंक

दो विवेचनात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। 07 अंक

3. वैदिक साहित्य का इतिहास
भाग अ में 2–2 अंक के दो लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । 04 अंक
भाग ब

2 विवेचनात्मक मन्त्र पूछकर 1 प्रश्न का उत्तर देय होगा। 11 अंक

4. लघुसिद्धान्त कौमुदी

(क) अजन्त
भाग अ में 2–2 अंक के तीन लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । 06 अंक
भाग ब

4 सूत्र पूछकर 2 की व्याख्या अपेक्षित है। 05 अंक
4 सूत्रों पूछकर 2 की व्याख्या 04 अंक

(ख) हलन्त
भाग अ में 2–2 अंक के तीन लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । 06 अंक
भाग ब

4 सूत्रों पूछकर 2 की सोदाहरण व्याख्या 05 अंक
4 पदों में से 02 की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि 04 अंक

Helpstudentpoint.com

सहायक पुस्तकें

1.वैदिक सूक्त मुक्तावली– डॉ. सुधीर कुमार गुप्त , हंसा प्रकाशन, जयपुर।
2.ऋक्सूक्त मंजरी– डॉ. सुभाष वेदालंकार, –अलंकार प्रकाशन, जयपुर।
3.ऋग्वेदसंहिता–एफ. मैक्समूलर–चौखम्बा प्रतिष्ठान दिल्ली।
4.ऋग्वेदसंहिता–डॉ.शारदा चतुर्वेदी–चौखम्बा प्रतिष्ठान दिल्ली।
5.ऋग्वेदसंहिता–वी.के.शर्मा–चौखम्बा प्रतिष्ठान दिल्ली।
6.कठोपनिषद्–वैजनाथ पाण्डेय–मोतीलाल बनारसीदास ,दिल्ली।
7.कठोपनिषद्–डॉ. राजेन्द्रप्रसाद शर्मा–जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर।
8.कठोपनिषद्–रचना प्रकाशन, जयपुर।
9.कठोपनिषद(प्रथम वल्ली)– डॉ. सुभाष वेदालंकार, –अलंकार प्रकाशन, जयपुर।

गद्य–साहित्य :

1.शुकनासोपदेश– डॉ. सुभाष वेदालंकार, अजमेरा बुक कम्पनी , जयपुर।
2. शुकनासोपदेश–महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
3. शुकनासोपदेश–डॉ. श्रीकृष्ण ओझा, आदर्श प्रकाशन, जयपुर।
4. कादम्बरी– चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली।

संस्कृत साहित्य का इतिहास :

1.संस्कृत साहित्य की रूपरेखा–चन्द्रशेखर पाण्डेय, चौखम्बा प्रकाशन , वाराणसी।
2.संस्कृत साहित्य का नवीन इतिहास–डॉ. पुष्करदत्त शर्मा।
3.संस्कृत साहित्य का समालोचनात्मक इतिहास–डॉ. रामजी उपाध्याय, रामनारायण बेनीमाधव, इलाहाबाद।
4.संस्कृत साहित्य का इतिहास– श्री सत्यनारायण शास्त्री, आर्य बुक डिपो, दिल्ली।
5.संस्कृत साहित्य का इतिहास– डॉ. बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
6.संस्कृत साहित्य का इतिहास– मंगलदेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
7.संस्कृत साहित्य का इतिहास– प्रो. उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा प्रतिष्ठान दिल्ली।
8.संस्कृत साहित्य का इतिहास– डॉ रमाशंकर त्रिपाठी चौखम्बा प्रतिष्ठान दिल्ली ।
9.वैदिक साहित्य एवं संस्कृति का स्वरूप– ओम प्रकाश पाण्डेय, विश्व प्रकाशन।

लघुसिद्धान्त कौमुदी:

1. लघुसिद्धान्त कौमुदी–डॉ. अर्कनाथ चौधरी, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर।
2. लघुसिद्धान्त कौमुदी– महेशसिंह कुशवाह–प्रथम व द्वितीय भाग, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान दिल्ली।
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी, श्रीश्रीधरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास,दिल्ली।
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी, विश्वनाथ शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास,दिल्ली।

द्वितीय प्रश्न–पत्र

नाटक छन्द, अलंकार एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास

समय :– 03 घण्टे **अंक :– 100**

प्रथम प्रश्न में निर्धारित ग्रन्थ में से लघुत्तरात्मक निबन्धात्मक, अनुवाद, व्याख्या व समालोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।

पाठ्यक्रम

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – कालिदास **45 अंक**
2. छन्द – अभिज्ञानशाकुन्तलम् के आधार पर निम्नलिखित छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण – अनुष्टुप्, आर्या उपजाति, वसन्ततिलका, शिखरिणी, मालिनी, शार्दूलविक्रीडित, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, स्रग्धरा, मन्दाक्रान्ता। **10 अंक**
   अलंकार – काव्यदीपिका (अष्टम् शिखा) के आधार पर निम्नलिखित अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण – अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, अप्रस्तुतप्रशंसा, विभावना, विशेषोक्ति, दृष्टान्त, दीपक, संदेह। **10 अंक**
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास **25 अंक**
   (क) वीरकाव्य : रामायण तथा महाभारत
   (ख) महाकाव्य : कालिदास, अश्वघोष, भारवि, माघ।
   (ग) गीति काव्य : कालिदास, भर्तृहरि, पण्डितराज जगन्नाथ।
   (घ) गद्य काव्य : दण्डी, सुबन्धु बाणभट्ट, अम्बिकादत व्यास।
   (ड.) पुराण परिचय
4. अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत) **10 अंक**

अंक – विभाजन

क्र.सं.	नाम पुस्तक	लघूत्तरात्मक प्रश्न	अंक	निबन्धात्मक प्रश्न संख्या	अंक	अंको का योग
01	अभिज्ञानशाकुन्तलम्	लघूत्तरात्मक 07	14	4 श्लोकों की 2 की सप्रसंग व्याख्या 6+6 4 श्लोकों पुछकर 2 की सप्रसंग व्या. 12 अंक एक विवेचनात्मक प्रश्न 7 अंक	31	14+31=45
02	छन्द अभिज्ञानशाकुन्तलम् के आधार पर	लघूत्तरात्मक 01	02	4 में से 2 छंदों के लक्षण व उदाहरण 8 अंक	08	02+08=10
03	अलंकार काव्यदीपिका (अष्टम शिखा) के आधार पर	लघूत्तरात्मक 01	02	4 में से 2 अलंकारों के लक्षण व उदाहरण 8 अंक	08	02+08=10

HelpStudentPoint.com

4.	संस्कृत साहित्य का इतिहास	लघूत्तरात्मक 6	12	विवेचनात्मक प्रश्न 01	13	16+9=25
5	अनुवाद			5 हिंदी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद	10	10
कुल योग		15	30	07	70	100

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

भाग 'अ' 30 अंक

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. प्रत्येक पुस्तक से लघूत्तरात्मक व निबन्धात्मक, व्याख्यात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । लघूत्तरात्मक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं।

निबन्धात्मक / व्याख्यात्मक प्रश्न

1. **अभिज्ञानशाकुन्तलम्**

भाग अ में 2–2 अंक के 07 लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । 14 अंक

भाग ब

1 से 4 अंकों में से 4 श्लोक पूछकर उनमें से
किन्हीं 2 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी। 6+6=12 अंक

5 से 7 अंकों में से 4 श्लोक पूछकर उनमें से
किन्हीं 2 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी। 6+6=12 अंक

2 प्रश्नों में से 1 प्रश्न का उत्तर अपेक्षित है। 07 अंक

2. छन्द

भाग अ में 2 अंक के एक लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछा जायेंगा । 02 अंक

भाग ब

4 छन्द पूछकर 2 के लक्षण एवं उदाहरण अपेक्षित है। 08 अंक

3. अलंकार

भाग अ में 2 अंक के एक लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछा जायेंगा । 02 अंक

भाग ब

4 अंलकार पूछकर उनमें से 2 के लक्षण एवं उदाहरण अपेक्षित है। 08 अंक

4. **संस्कृत साहित्य का इतिहास**

भाग अ में 2 2 अंक के 6 लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे । 12 अंक

Helpstudypoint.com

भाग ब

2 विवेचनात्मक प्रश्नो में से 1प्रश्न का उत्तर अपेक्षित है। 13 अंक

5. अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत)

10 वाक्यो मे किन्हीं 5 वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद । 10 अंक

सहायक पुस्तकें

अभिज्ञानशाकुन्तलम्

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् डॉ. गंगासागर राय, चौखम्बा संस्कृत प्रतिठान, दिल्ली
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् जगदीशप्रसाद शर्मा– रचना प्रकाशन, जयपुर
3. अभिज्ञानशाकुन्तलम् सुवोधनचंद्र पंत– मोतीलाल बनारसी, दिल्ली
4. अभिज्ञानशाकुन्तलम् जगदीशलाल शास्त्री– मोतीलाल बनारसी दिल्ली
5. काव्यदीपिका– परमेश्वरानंद शर्मा, मोतीलाल बनारसी दिल्ली

संस्कृत साहित्य का इतिहासः–

1. संस्कृत साहित्य की रूपरेखा– चंद्रशेखर पाण्डेय एवं नानूराम व्यास, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. संस्कृत साहित्य का नवीन इतिहास– डॉ. पुष्करदत्त शर्मा, अजमेरा बुक कं. जयपुर
3. संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास– डॉ. रामजी उपाध्याय, रामनारायणलाल बेलरमाणव, इलाहाबाद
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास–श्री सत्यनारायण शास्त्री, आर्य बुक डिपो, दिल्ली
5. संस्कृत साहित्य की प्रवृत्तियॉं– डॉ. जयकिशनप्रसाद खण्डेलवाल, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
6. संस्कृत साहित्य का इतिहास– ए.बी. कीथ, अनु. मंगलदेव शास्त्री – दिल्ली।
7. संस्कृत साहित्य का इतिहास– प्रो. राजवंश सहाय 'हीरा' चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान दिल्ली
8. संस्कृत साहित्य का प्राचीन एंव अर्वाचीन इतिहास– डॉ. रामसिंह चौहान, रितु पब्लिकेशन, जयपुर

Helpstudentpoint.com